अंजनीसुत केसरी नंदन | By Rajendra Jain |

अंजनीसुत केसरी नंदन ने
श्रीराम के काज सारे हैं
संपूर्ण रामायण साक्षी है
पग-पग पर संकट टारे हैं

नारायण राम अवतार लिये
पृथ्वी का पाप मिटाने को
शिव रुद्र रूप धारे हनुमत
श्रीराम को पथ दर्शाने को
सेवक का स्थान लिये हनुमत
नारायण संग पधारे हैं
संपूर्ण रामायण साक्षी है
पग-पग पर संकट टारे हैं

शिव भक्त थे श्री कौशल्या नंदन
हनुमत उनका आराधक था
लंका पति रावण महाबली
कैलाशपति का साधक था
अभिमान रूप उस दानव को
श्रीराम सहित संहारे हैं
संपूर्ण रामायण साक्षी है
पग-पग पर संकट टारे हैं

वानर का रूप धरा कपि ने
राजाओं सा श्रृंगार लिया
जब भी दानव शक्ति उभरी
बल कौशल पे संहार किया
श्रीराम के नैनों की ज्योति
रघुवर के प्राण पियारे हैं
संपूर्ण रामायण साक्षी है
पग-पग पर संकट टारे हैं

इसको विधना का लेख कहूँ
या ईश्वर की लीला मानूँ
है राम का नाम बड़ा जग में
मैं तो केवल इतना जानूँ
इसलिए ही तो कपिराज सदा
श्रीराम ही राम उच्चारे हैं

अंजनीसुत केसरी नंदन ने
श्रीराम के काज सारे हैं
संपूर्ण रामायण साक्षी है
पग-पग पर संकट टारे हैं

e0%a5%81%e0%a4%a4-%e0%a4%95%e0%a5%87%e0%a4%b8%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%a8-by-rajendra-jain/